संडे दुनिया

नारी

26 जुलाई 2015, रविवार

महिलाओं के लिए बनीं प्रेरणास्रोत पेज 3

महिलाओं के लिए बनीं प्रेरणास्रोत

चित्रा रामकृष्ण भारत के प्रमुख शेयर बाजार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) की मुख्य कार्यकारी एवं प्रबंध निदेशक हैं। वे विश्व की उन गिनी चुनी महिला अधिकारियों में से एक हैं, जो शेयर बाजारों की प्रमुख हैं।

एनएसई 1992 में बनी और 1994 में परिचालन में आई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज से 1991 में जुड़ने वालीं चित्रा नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) की 1990 के दशक में स्थापना करने वाली टीम में शामिल रही हैं। वे उस टीम का भी हिस्सा थीं जिसने 1987 में प्रतिभूति बाजार नियामक सेबी के लिए कानूनी ढांचे का मसौदा तैयार किया था। नवंबर 2012 में एनएसई के निदेशक मंडल ने चित्रा की पदोन्नति का फैसला किया। उस समय वे संयुक्त प्रबंध निदेशक थीं।

अमेरिकी पत्रिका 'फॉर्च्यून' के अक्टूबर 2013 अंक में जारी विश्व की 50 शक्तिशाली महिलाओं की सूची में 4 भारतीय महिलाएँ शामिल थीं। इनमें आईसीआईसीआई बैंक की मुख्य कार्यकारी अधिकारी चंदा कोचर चारों भारतीय महिलाओं में शीर्ष पर थीं, जबकि एक पृथक अमेरिकी सूची में पेप्सिको की अध्यक्ष इंद्रा नूई को दूसरा स्थान दिया गया। इस सूची में चित्रा रामकृष्ण का नाम भी शामिल था। फॉर्च्यून में जारी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शक्तिशाली महिलाओं की सूची के अनुसार चंदा कोचर को चौथी वरीयता दी गई है और उनके बाद नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) की अध्यक्ष चित्रा रामकृष्णा को 17वें, एक्सिस बैंक की शिखा शर्मा को 32वें एवं एचएसबीसी बैंक की नैना लाल किदवई को 42वें स्थान पर रखा गया है।

प्रारंभिक कॅरियर

1963 में जन्मीं चित्रा रामकृष्ण चाटर्ड अकाउंटेंट के रूप में कॅरियर शुरू करने के बाद साल 1985 मे भारतीय औद्योगिक विकास बैंक (आईडीबीआई) से जुड़ीं। इसके बाद वह सेक्यूरिटी एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) से जुड़ीं। 2 साल तक यहाँ काम करने के बाद वे फिर आईडीबीआई में लौट आयीं।

चित्रा रामकृष्ण